

प्रेषक,

नितेश कुमार झा,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

कुलसचिव/वित्त अधिकारी,  
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय,  
हल्द्वानी जिला नैनीताल ।

शिक्षा अनुभाग-6 (उच्च शिक्षा)

देहरादून दिनांक 16 सितम्बर, 2010

विषय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत पक्ष में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष कुलपति हेतु वाहन क्य किए जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक कृपया विश्वविद्यालय के पत्र संख्या : Admn/01/53/2010-11/4716 दिनांक 28, जून 2010 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा यह अवगत कराया है, कि कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी हेतु उपलब्ध शासकीय वाहन जिसे संभागीय परिवहन कार्यालय हल्द्वानी द्वारा निष्प्रयोज्य घोषित कर दिया गया है, के स्थान पर नया वाहन (एम्बेसेडर कार) क्य किए जाने का प्रस्ताव किया गया है । उक्त के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आलोच्य वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु आयोजनागत पक्ष में उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी के कुलपति हेतु नया वाहन (एम्बेसेडर कार) को क्य किए जाने हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए प्राविधानित धनराशि रुपये 03,50,00,000.00 (रुपये तीन करोड़ पचास लाख मात्र) के सापेक्ष विश्वविद्यालय के प्रस्तावानुसार रुपये 5,50,500.00 (रुपये पांच लाख पचास हजार पांच सौ मात्र) की धनराशि को व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं ।

2- स्वीकृत की गयी धनराशि निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी नैनीताल के प्रतिहस्ताक्षर करने के उपरान्त विश्वविद्यालय द्वारा आहरित की जायेगी । स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष कार के मूल्य, सी0एस0टी0 तथा ट्रान्सपोर्टेशन चार्ज के लिए ही यथा आवश्यक धनराशि नियमानुसार आहरित/व्यय की जायेगी । तथा शेष धनराशि को राजकोष में जमा कर दिया जायेगा । उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने के लिए वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 515/XXVII(1)/2009 दिनांक 28, जुलाई 2009 में विहित शर्तों के साथ-साथ शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत मितव्यतता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा ।

3- व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008, डी0जी0एस0एण्डडी0 की दर तथा समय-समय पर निर्गत वित्तीय एवं मितव्यतता सम्बन्धी शासनादेशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाना होगा । वाहन क्य का पूर्ण विवरण वाहन पंजिका में दर्ज किया जायेगा । जिसे सम्बन्धित अधिकारी द्वारा सत्यापित/प्रमाणित भी किया जाना होगा । वित्त विभाग द्वारा निर्गत प्रॉक्यूरमेंट नियमावली में दिए गए निर्देशों का अनुपालन किया जाना होगा ।



- 4- स्वीकृत धनराशि के उपभोग के सम्बन्ध में शासन द्वारा निर्गत समस्त शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा तथा धनराशि का व्यय कर उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा एवं अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा ।
- 5- व्यय उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिनके लिए यह स्वीकृत किया जा रहा है ।
- 6- प्रश्नगत निष्प्रयोज्य वाहन की नियमानुसार नीलामी कराते हुए प्राप्त धनराशि को राजकीय कोष में जमा करवाने के उपरांत शासन को अवगत कराने का कष्ट करें, यह कार्यवाही प्रत्येक दशा में तीन माह के भीतर पूर्ण कर ली जाये ।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या 11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा-आयोजनागत-03-विश्वविद्यालय तथा उच्चतर शिक्षा-102-विश्वविद्यालयों को सहायता-07-राज्य मुक्त विश्वविद्यालय-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नाम डाला जायेगा ।
- 8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या - 250 (P)/xxvii(3)/2010 दिनांक 15, सितम्बर-2010 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किए जा रहे हैं ।

भवदीय

(नितेश कुमार झा)  
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या : 230/XXIV(6)/2010 दिनांकित :  
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून
2. आयुक्त, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल
3. जिलाधिकारी, नैनीताल ।
4. कोषाधिकारी, हल्द्वानी ।
5. निदेशक, उच्च शिक्षा, हल्द्वानी ।
6. निदेशक, एन0आई0सी0 उत्तराखण्ड ।
7. वित्त अनुभाग-3/नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन ।
8. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन ।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन एवं संसाधन सचिवालय, देहरादून ।
10. विभागीय आदेश पुस्तिका ।

आज्ञा से,

(पी0एल0 शाह)  
उप सचिव